



दी नैक्स पोस्ट

साप्ताहिक

7

3

सहपाठी तो कहीं पथ प्रदर्शक की भूमिका में दिखे योगी

5

अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह के सरगना सहित चार गिरफ्तार

8

टीम इंडिया की सफलता का मंत्र

UPHIN51019

वर्ष: 01, अंक: 14

पृष्ठ संख्या: 8

मूल्य: 1.00 रु.

सोमवार 30 अक्टूबर, 2023

सीएम योगी ने 200 लोगों की सुनी समस्याए

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिन जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। आयुष्मान कार्ड बनवाकर इलाज की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। कार्ड न होने की दशा में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए विवेकाधीन कोष से धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी। ये बातें सीएम योगी ने जनता दर्शन के दौरान कही।

जनता दर्शन में अधिक संख्या में पहुंची थी महिलाएं

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। महिला को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराई जाए।

जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर सीएम योगी ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।



जनता दर्शन में लोगों की समस्याओं को सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन के दौरान एक-एक कर सभी लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए सभी को आश्वासन दिया। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई तो सीएम ने अधिकारियों को महिला की समस्या का निस्तारण करने का निर्देश देते हुए सभी जरूरतमंदों को आवास व इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही।

सूरत में एक ही परिवार के सात लोगों ने की आत्महत्या

गुजरात के सूरत में एक परिवार ने की जहर पीकर आत्महत्या, फर्नीचर कारोबार से जुड़ा था परिवार

सूरत। गुजरात के सूरत में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सूरत के अडाजण इलाके में एक परिवार ने सामूहिक रूप से जहर पीकर आत्महत्या कर ली, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। मालूम हो कि यह घटना अडाजण पालनपुर पाटिया इलाके के सिद्धेश्वर अपार्टमेंट में हुई है।

सामूहिक आत्महत्या में शामिल परिवार फर्नीचर कारोबार से जुड़ा है। हालांकि, पूरे परिवार ने यह कदम किस कारण से उठाया है, इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है।

जांच में जुटी पुलिस

घटना की जानकारी मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। परिवार ने यह कदम किस कारण से उठाया इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

100 रुपये पहुंचेंगे प्याज के दाम तीन दिन में दोगुना हुई कीमत, जल्द राहत न मिलने के आसार

एएनआई, नई दिल्ली। टमाटर के बाद अब प्याज भी लोगों को रूलाने लगा है। पिछले कुछ ही दिनों में प्याज की कीमत में भारी वृद्धि देखी गई, जो लोगों के बजट को प्रभावित करने लगा है। प्याज व्यापारी प्याज की कीमतों में अचानक आई तेजी के लिए आपूर्ति में कमी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

दोगुना हुई कीमत

प्याज व्यापारियों के मुताबिक, नवरात्रि से पहले प्याज की कीमत 25-30 रुपये प्रति किलो थी जो तीन दिनों में 55-60 रुपये प्रति किलो हो गई है और अब बाजारों में 65-70 रुपये प्रति किलो बिक रही है।

ग्राहक हो रहे परेशान

बाजार में एक ग्राहक ने बढ़ती कीमतों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि पहले 1 किलो प्याज 20 रुपये में मिलता था अब इसकी कीमत 50-60 रुपये प्रति किलो है। ग्राहक ने कहा कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह जरूरी

पिछले कुछ ही दिनों में प्याज की कीमत में भारी वृद्धि देखी गई जो लोगों के बजट को प्रभावित करने लगा है। नवरात्रि से पहले प्याज की कीमत 25-30 रुपये प्रति किलो थी जो तीन दिनों में 55-60 रुपये प्रति किलो हो गई है और अब बाजारों में 65-70 रुपये प्रति किलो बिक रही है।

टमाटर के बाद अब प्याज रूलाने लगा

खर्चों पर असर डालेगा।

टमाटर के दाम भी बढ़े

हाल ही में प्याज के रेट सबसे ज्यादा बढ़े हैं, लेकिन इसके साथ ही टमाटर के रेट भी बढ़े हैं। पहले टमाटर 20 रुपये किलो था, अब 40-45 रुपये किलो है। एक व्यापारी के अनुसार, टमाटर भी 70 रुपये तक पहुंच जाएगा।

दिल्ली-NCR में 100 रुपये तक जा सकती है कीमत

दिल्ली में गाजीपुर सब्जी मंडी के एक प्याज व्यापारी ने एएनआई से बात करते हुए कहा कि प्याज की आमद कम है, जिसके परिणामस्वरूप कीमतें ज्यादा हैं। आज प्याज की कीमत 350 रुपये प्रति 5 किलोग्राम है, जो कल 300 रुपये थी। इससे पहले यह कीमत 200 रुपये थी। सब्जी विक्रेता ने कहा कि अगर आपूर्ति की कमी को पूरा नहीं किया गया तो कीमतें जल्द ही 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच जाएंगी।

मुख्तार अंसारी को 10 साल की सजा



उम्र 60 वर्ष से अधिक है... हृदय रोग ब्लड प्रेशर और शुगर है, मुख्तार ने दी ये दलीलें

गाजीपुर। अदालत में दोषसिद्ध होने के बाद माफिया मुख्तार अंसारी ने अपनी ज्यादा उम्र और बीमारी को लेकर दलीलें दीं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश मुख्तार ने कहा कि उसकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है। वह वर्ष 2005 से जेल में है। जिस मामले में दोषसिद्ध हुआ है, उसमें भी सात वर्ष से अधिक समय से जेल में है। विशेष न्यायाधीश (एमपीधरमल एल कोर्ट) अरविंद मिश्र की अदालत में दोषसिद्ध होने के बाद माफिया मुख्तार अंसारी ने अपनी ज्यादा उम्र और बीमारी को लेकर दलीलें दीं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश हुए मुख्तार ने कहा कि उसकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है। वह वर्ष 2005 से जेल में है। जिस मामले में दोषसिद्ध हुआ है, उसमें भी सात वर्ष से अधिक समय से जेल में है। उसे हृदय रोग, ब्लड प्रेशर, शुगर और सर्वाइकल संबंधी बीमारी हैं। दो बार हार्ट अटैक आ चुका है, इसलिए उसे कम से कम दंड से दंडित किया जाए। मुख्तार अंसारी की दलीलों पर सजा सुनाने से पहले अदालत ने कहा कि यह स्पष्ट है कि वर्तमान समय में अभियुक्त 60 वर्ष से अधिक उम्र का है। मुख्तार अंसारी ने बीमारियों से ग्रसित होने का हवाला दिया। मगर, यहां यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि अभियुक्त मुख्तार अंसारी द्वारा बीमारियों से ग्रसित होने के संबंध में कोई भी दस्तावेजी साक्ष्य नहीं प्रस्तुत किया गया। तथ्य एवं परिस्थितियों के आधार पर यह साबित होता है कि अभियुक्त मुख्तार अंसारी का एक संगठित गिरोह था। गिरोह का उपयोग समाज विरोधी क्रियाकलापों

के लिए किया जाता था। इसलिए अभियुक्त मुख्तार अंसारी को 10 वर्ष के कठोर कारावास और पांच लाख रुपये जुर्माने की सजा से दंडित किया जाता है। ...तब भी दोषसिद्ध किया जा सकता है मुख्तार अंसारी की ओर से बचाव में दलील दी गई कि गैंग चार्ट में अंकित मुकदमों में गवाहों के पक्षद्रोही होने के कारण अभियुक्त को दोषमुक्त कर दिया गया है। इस पर अदालत ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य बनाम मुख्तार अंसारी मुकदमे में गवर्नमेंट अपील पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निर्णय दिया था कि गैंग चार्ट में अंकित मुकदमों में गवाहों के पक्षद्रोही होने के कारण अभियुक्त दोषमुक्त हो जाता है, तो उसके बाद भी उसे गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत दोषसिद्ध किया जा सकता है। दरअसल, कपिल देव सिंह की हत्या और मीर हसन के हत्या के प्रयास के मामले में मुख्तार अंसारी बरी हो चुका है। उसके गुर्गों भी बरी हो चुके हैं। अब गैंगस्टर एक्ट में दोष साबित हुआ और सजा मिली है। इसका फायदा मुख्तार उठाना चाहता था, इसीलिए दलील भी दी, लेकिन अदालत ने साक्ष्यों के आधार पर सजा सुना दी। ऐसे घला मामला — वर्ष 2009 में करंडा थाना क्षेत्र के सबुआ निवासी कपिलदेव सिंह की हत्या कर दी गई थी। इसी तरह मुहम्मदाबाद के मीर हसन की हत्या

का प्रयास किया गया था।

— वर्ष 2010 में मुख्तार अंसारी और सोनू यादव के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत करंडा थाना में मुकदमा दर्ज हुआ था। — सात अक्टूबर 2023 को मुख्तार अंसारी का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये और सोनू यादव का बयान दर्ज हुआ था। — 11 अक्टूबर को बहस होनी थी, लेकिन सुनवाई नहीं हो सकी। — 17 अक्टूबर को अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक शासकीय अधिवक्ता नीरज श्रीवास्तव और मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता लियाकत अली और स्वयं मुख्तार अंसारी, जबकि सोनू यादव के अधिवक्ता राजकुमार जायसवाल ने अपना-अपना तर्क प्रस्तुत किया। बहस सुनने के बाद अदालत ने फैंसले की तिथि तय कर दी। — 26 अक्टूबर को न्यायालय ने मुख्तार अंसारी और सोनू यादव को गैंगस्टर एक्ट के तहत दोषी करार दिया। साथ ही सजा की बिंदु पर सुनवाई और सजा निर्धारण के लिए 27 अक्टूबर की तिथि नियत कर दी। 26 अक्टूबर को अपराह्न 3.15 बजे अदालत ने मुख्तार अंसारी को सजा सुनाई गई। अदालत ने सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) को निर्देशित किया कि वह पुलिस अधीक्षक की तरफ से नियुक्त विशेष वाहक से अभियुक्त मुख्तार अंसारी का सजायावी वारंट अविलंब भिजवा दें।

गीता प्रेस के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल का निधन



गोरखपुर। मुख्यमंत्री ने कहा है कि विगत 80 वर्षों से गीता प्रेस के ट्रस्टी के रूप में बैजनाथ का जीवन सामाजिक जागरूकता और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। वह ईश्वर के अनन्य भक्त थे। बैजनाथ के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। गीता प्रेस के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल का निधन हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गीता प्रेस, गोरखपुर के ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल (80) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने उनके पुत्र देवी दयाल अग्रवाल से बात कर सात्वना दी। शुक्रवार की रात करीब ढाई बजे गोरखपुर के हरिओम नगर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

कानपुर को मिली 501 करोड़ की सौगात योगी बोले- सपा बोलती कुछ है और करती कुछ है

कानपुर। कानपुर में राष्ट्रीय इंटर कालेज मैदान में आयोजित अनुसूचित जाति सम्मेलन में सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर दीप प्रज्ज्वलित किया। इसके बाद सीएम ने अरनव, दिव्यांशी और मोहक को खीर खिलाई। सीएम ने सबसे पहले बच्चों को गोद लिया। दिव्यांशी जैसे सीएम के गोद में गई, तो खुश हो गई। सभी बच्चों को खिलौना भी दिया। साथ ही, सीएम ने नगर निगम की 900 कूड़ा गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई। ये गाड़ियां घर-घर जाकर कूड़ा उठाएंगी। इसके बाद सीएम योगी ने 501 करोड़ की 953 परियोजनाओं का शिलन्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सपा बोलती कुछ है और करती कुछ है। कानपुर कभी देश का उभरता हुआ शहर था, देश के आर्थिक संपन्न शहरों के रूप में जाना जाता था। पिछली सरकारों ने उसे तहस नहस कर दिया।

आज मेट्रो का सफल संचालन हो रहा है। कानपुर डिफेंस मैनुफैक्चरिंग का हब भी बन रहा है। यहां पहले ही वर्ष में 32 हजार करोड़ के नए कार्यक्रम लेकर चल रहे हैं। कहा कि भाजपा सरकार कानपुर-बुंदेलखंड को उसका वैभव दिलाने के लिए कार्य कर रही है। कानपुर अर्थव्यवस्था का केंद्र बिंदु बनाया जा रहा है। वहीं, मंत्री व पूर्व आईपीएस असीम अरुण ने कहा कि अनुसूचित वर्ग में कई जातियां हैं, जो समाज से अलग हैं। उन्हें भाजपा ने उनका हक दिलाया। सपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछली सरकारों में सिर्फ शोषण किया गया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि पिछली सरकार में अनुसूचित वर्ग के साथ जमकर शोषण किया गया।

जब चुनाव आता है, तब उन्हें अनुसूचित वर्ग याद आता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा द्वारा गरीब कल्याण की बात करती है। अन्य पार्टियों ने दलित वर्ग को सिर वोट बैंक समझा जाता है। उनकी संख्या सिर्फ इसलिए बताई जाती है कि उनका वोट लेना है। कानपुर की धरती धन्य है, जहां महर्षि वाल्मीकि का आश्रम भी है।

भाजपा सरकार द्वारा हिजाब से मुस्लिम महिलाओं को आजादी दिलाने के नाम पर यह प्रतिबन्ध लगाया गया था परन्तु इसका असली उद्देश्य सामाजिक ध्वोकीरण करना था। २०१८ के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के वोट प्रतिशत तो ज्यादा थे लेकिन सीटों कांग्रेस के ८० के मुकाबले भाजपा को ज्यादा मिली- १०३। येदियुरप्पा सीएम बने पर बहुमत साबित न कर पाने से ६ दिनों में उन्हें कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। इसके बाद कांग्रेस व जेडीएस ने मिलकर सरकार बनाई जिन्होंने मिलकर चुनाव लड़ा था। एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री बने परन्तु भाजपा ने कथित तौर पर अ परेशन लोटस के तहत १३ माह पुरानी सरकार गिरा दी। येदियुरप्पा फिर से सीएम बने लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे येदियुरप्पा को त्यागपत्र देना पड़ा और बसवराज बोम्मई जुलाई, २०२१ में सीएम बने जिनके कार्यकाल में हिजाब पर बैन लगाया गया। जिन राज्यों में हिन्दुत्व की प्रयोगशालाएं सर्वाधिक सक्रिय रही हैं, उनमें कर्नाटक प्रमुख है। यहां २०१६ के लोकसभा चुनाव में इसलिए भाजपा को अच्छी सफलता मिली थी। २८ में से २५ सीटें उसने जीती थीं। कर्नाटक को भाजपा पूरे दक्षिण भारत में अपनी विचारधारा के प्रसार के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण मानती है। इसलिये यहां हिंदुत्ववादी एजेंडे को जोर-शोर से लागू किया गया था। इस साल के मध्य में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा को बड़ी पराजय का सामना करना पड़ा। उस वक्त भी भाजपा कांग्रेस को अपने एजेंडे पर लाने की कोशिश करती रही परन्तु कांग्रेस ने वहां भ्रष्टाचार व विकास को मुद्दा बनाया और साम्प्रदायिक सद्भाव का आश्वासन दिया। हालांकि वहां चुनावी घोषणापत्र में जब कांग्रेस ने सत्ता मिलने पर बजरंग दल पर प्रतिबन्ध लगाने का वादा किया तो इसे भुनाने की भरपूर कोशिश भाजपा ने की थी। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजरंग दल की तुलना बजरंग बली से करते हुए लोगों को भरमाने का प्रयास किया था। चुनावी आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए उन्होंने सभा में जय बजरंगबली के नारे लगाए थे और एक तरह से उनके नाम पर वोट मांगे थे। कांग्रेस को इसी मुद्दे पर घेरने के चक्कर में प्रदेश भर में जगह-जगह हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया था। भाजपा एवं हिंदूवादी संगठनों के ये सारे पैतरे नाकाम रहे और कांग्रेस जबर्दस्त बहुमत से जीती थी। कांग्रेस ने तब भी वादा किया था कि अगर उनकी सरकार बनती है तो वे हिजाब पर लगे प्रतिबंध को हटाएंगे। कह सकते हैं कि इस घोषणा से कर्नाटक सरकार को अपने बड़े वादे को पूरा किया है। इस ऐलान को केवल इस नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिये कि इससे एक वादा पूरा हुआ है। यह नागरिकों के जीवन शैली को चुनने की आजादी देना है। पुरानी सरकार ने इस पर कड़ुरपंथी ताकतों के दबाव में आकर प्रतिबंध लगाया था और उसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं को हिजाब से कथित तौर पर आजादी दिलाना था परन्तु वह एक बहुसंख्यकवादी निर्णय था जिसे यह संदेश देने के लिये लादा गया था कि अल्पसंख्यकों को उसी तरह से रहना, खाना-पीना, ओढ़ना-बिछाना होगा जैसा कि बहुसंख्यक समुदाय तय करेगा। यह निर्णय लगभग वैसा ही था जैसा तीन तलाक को गैरकानूनी बनाना या जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद ३७० को हटाना।

सहपाठी तो कहीं पथ प्रदर्शक की भूमिका में दिखे योगी

मुख्यमंत्री के हाथों उपकरण पाकर खिल उठे दिव्यांग बच्चों के चेहरे



गोरखपुर में बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम कई मायने में उपलब्धियों भरा रहा। इस कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ बच्चों के बीच सहपाठी जैसे दिखे तो शिक्षकों के बीच उनकी भूमिका पथ प्रदर्शक की नजर आई। वहीं दिव्यांग बच्चों के अभिभावक की भूमिका भी उन्होंने बखूबी निभाई। प्रदेश के मुखिया के तथ्यों से उपकरण पाकर उनके चेहरे खिल उठे।

गोरखपुर। परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों से तकनीक अपनाते हुए प्रतिस्पर्धी बनने का आह्वान तो बच्चों की शिक्षा के लिए समयानुकूल संसाधनों पर ध्यान। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से आयोजित समारोह में लगभग डेढ़ घंटे की अपनी मौजूदगी के दौरान शिक्षा व्यवस्था की नींव मजबूत करने को लेकर अपना विजन स्पष्ट कर दिया। बच्चों के बीच वह उनके सहपाठी जैसे दिखे, दिव्यांग बच्चों के अभिभावक व शिक्षकों के बीच उनकी भूमिका पथ प्रदर्शक की नजर आई। गोरखपुर मंडल के चार जनपदों (गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर व महाराजगंज) के लिए बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम कई मायने में उपलब्धियों भरा रहा।

इस दौरान हर जिले में अलग-अलग संख्या के अनुसार प्राथमिक विद्यालयों को स्मार्ट क्लास की सुविधा मिली। शिक्षा के तकनीकी पहलू में दक्ष बनने के लिए शिक्षकों को टैबलेट मिला, आइसीटी लैब का शुभारंभ हुआ। वंडर बाक्स से प्री-प्राइमरी शिक्षा के नए अध्याय की शुरुआत हुई। खास बात यह रही कि दिव्यांग बच्चों को सक्षमता की राह पर आगे बढ़ने के लिए तमाम प्रकार के सहायक उपकरण मुख्यमंत्री के हाथों प्राप्त हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही मुख्यमंत्री सबसे पहले परिषदीय स्कूलों के विद्यार्थियों व दिव्यांग बच्चों से मुखातिब हुए। रामायण के पात्रों में सजे विद्यार्थियों से दोस्त बनकर हंसी-ठिठोली की तो स्टालों पर मौजूद बच्चों से उनके द्वारा बनाए गए माडलों के क्रियात्मक पक्ष की

जानकारी ली।
दिव्यांग बच्चों के बीच पहुंचने पर उनकी भावुकता छिपाए नहीं छिपी। उनके भाव इन बच्चों को समाज की मुख्यधारा में शामिल करने की तड़प को दर्शा रहे थे। इसके बाद जब मुख्य मंच पर उनका संबोधन शुरू हुआ तो हर वाक्य शिक्षा व्यवस्था को मजबूत कर भावी पीढ़ी का भविष्य उज्ज्वल करने की ललक बयां करने वाला था। मुख्यमंत्री ने गत छह वर्षों में बेसिक शिक्षा विभाग में हुए आमूल-चूल परिवर्तन का न सिर्फ उल्लेख किया, बल्कि यह भी बताया कि विभाग नित-नए अलंकरण जोड़ रहा है। ऐसे में यदि शिक्षक, विभाग से जुड़े सभी कार्यक्रमों के साथ समय के अनुरूप अपने को जोड़कर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ा पाएंगे तो इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।

सीलिंग की जमीन बेचने वाले कमलेश सहित तीन पर
लगा गैंगस्टर, अब दीनानाथ की तलाश में पुलिस



गोरखपुर। सीलिंग की जमीन बेचकर करोड़पति बने भू-माफिया कमलेश यादव व उसके दो साथियों पर पुलिस ने गैंगस्टर का केस दर्ज कर लिया है। डीएम से अनुमति मिलने के बाद पुलिस ने तीनों को गिरोहबंद किया। गिरोह का सरगना कमलेश यादव को बनाया गया है, जबकि और दीनानाथ प्रजापति व मनोज कुमार सदस्य बनाए गए हैं। कमलेश अभी जेल में है। जबकि, पुलिस ने बुधवार को मनोज को गिरफ्तार कर लिया और दीनानाथ की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, एक सैनिक की पत्नी के सामने आने के बाद भू माफिया कमलेश और उसके साथियों का पूरा खेल सामने आया। इस मामले में पुलिस चौरीचौरा तहसील के सब रजिस्ट्रार चंद्रशेखर शाही तक को गिरफ्तार कर जेल भेजवा चुकी है। अब पुलिस ने चार्जशीट दाखिल करके गैंगस्टर की कार्यवाई की है। कमलेश एम्स इलाके बहरामपुर अहिरवाती टोला का रहने वाला है, जबकि दीनानाथ प्रजापति कुसमही बाजार और मनोज कुमार रक्षवापार, पिपराइच का निवासी है। पुलिस रिपोर्ट में लिखा है कि गैंग का लीडर

कमलेश यादव स्वयं व अपने गिरोह के अन्य दो सदस्य के साथ आर्थिक, भौतिक व अन्य लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से सामूहिक रूप से एक संगठित गिरोह बनाकर गैंग बनाए हैं। सभी प्रतिरूपण व कूटरचना द्वारा धोखाधड़ी और गबन करते हुए अवैध तरीके से बैनामा करारक संपत्ति हड़पने का अपराध करते रहते हैं। गैंग के सरगना एवं अन्य सदस्य का सामान्यतः जनमानस में भय एवं आतंक व्याप्त है। पुलिस की इस रिपोर्ट के आधार पर ही डीएम ने गैंगस्टर का केस दर्ज

करने की अनुमति दे दी है, जिसके बाद पुलिस ने गिरोहबंद करने की कार्रवाई की है।

कमलेश पर दर्ज हैं 35 मुकदमे

कमलेश यादव पर ३५ मुकदमे दर्ज हैं। इसमें सभी जालसाजी के मामले हैं और धमकी का भी केस है। इसके अलावा दीनानाथ प्रजापति पर ६ मुकदमे दर्ज हैं। इसमें जालसाजी व आपराधिक साजिश का केस दर्ज है। मनोज कुमार पर पांच केस हैं, इसमें जालसाजी के अलावा मारपीट, एससी-एसटी का केस भी है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा

कि पुलिस ने भू-माफिया कमलेश यादव और उसके गिरोह के सदस्यों पर गैंगस्टर का केस दर्ज कर लिया गया है। उसके दो साथी जमानत पर बाहर हैं, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। अब गैंगस्टर एक्ट के तहत इनके अपराध से अर्जित संपत्तियों को भी जब्त किया जाएगा।

पांच बदमाशों पर गैंगस्टर का केस दर्ज

पिपराइच और बांसागांव पुलिस ने अलग-अलग मामले में गिरोहबंद होकर अपराध करने वाले पांच बदमाशों पर गैंगस्टर का केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, पिपराइच पुलिस ने गैंग बनाकर हत्या करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों पर केस दर्ज किया। इसमें गुलरिहा के हरसेवकपुर निवासी अमर निषाद, सिद्धार्थनगर के कठोलवा निवासी मोहम्मद उस्मान व गुलरिहा के अहिरौली निवासी धर्मराज निषाद को गिरोहबंद किया है। बांसागांव पुलिस ने सावर गांव निवासी उदयवीर यादव और दोनखर निवासी उपवन सिंह को गिरोहबंद किया है। ये गिरोह लूट व चोरी के अपराध करता है।

गोरखपुर के 3678
बूथों पर पड़ेंगे वोट

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय ने विधानसभावार मतदान केंद्रों व बूथों की सूची तैयार की है। गोरखपुर जिला तीन लोकसभा क्षेत्रों से जुड़ा है। सूची के अनुसार गोरखपुर जिले के 3678 बूथों पर वोट पड़ेगे। इनमें सर्वाधिक बूथ चिल्लपार विधानसभा क्षेत्र में बनाए गए हैं। यहां के बूथों की संख्या 465 है।

गोरखपुर। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत मतदान केंद्रों व बूथों को चिह्नित कर लिया गया है। जिले में दो हजार ६४ मतदान केंद्रों के तीन हजार ६७८ बूथों पर वोट डाले जाएंगे। सर्वाधिक बूथ चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र में बनाए गए हैं। यहां के बूथों की संख्या ४६५ है। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कृष्णा करुणेश ने बताया कि मतदान केंद्रों व बूथों का निर्धारण कर लिया गया है। यह जिला तीन लोकसभा क्षेत्रों से जुड़ा है। सदर लोकसभा क्षेत्र में गोरखपुर शहर, ग्रामीण, सहजनवा, पिपराइच, कैपियरगंज विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। बांसगांव लोकसभा क्षेत्र में चिल्लूपार, बांसगांव व चौरी चौरा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। दो विधानसभा क्षेत्र देवरिया जिले के हैं। संतकबीरनगर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला खजनी विधानसभा क्षेत्र गोरखपुर जिले में है।

38 किलो गांजा के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

बेलीपार (गोरखपुर)। गोरखपुर जिले के भौवापार फोरलेन पर जांच के दौरान बेलीपार पुलिस ने ३८ किलो गांजा के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान बिहार के पश्चिमी चंपारण भिट्टहा रेडहा के मो. तहियाद, धुनिया पट्टी के असलम, कुशनीगर के विशुनपुरा रिसाल पट्टी के पप्पू प्रसाद, वाराणसी के मंडुआडीह ककरमत्ता के कुलदीप यादव के रूप में हुई।

यह है पूरा मामला

ये चारों ओडिशा से गांजा लेकर वाराणसी तक ट्रेन से आए थे। कुशीनगर में इसे सप्लाई करना था। पर्व को लेकर बेलीपार पुलिस भौवापार के पास वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान वाराणसी की तरफ से आ रही कार को पुलिस ने रोका। जांच में कार की डिक्की से गांजा बरामद हुआ। थाना प्रभारी बेलीपार पुरुषोत्तम ने बताया कि पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वह ओडिशा में एक तस्कर से गांजा खरीदे थे। इसके बाद ट्रेन से वह वाराणसी तक आए। यहां उतरने के बाद चारों ने कुशीनगर के लिए कार बुक की। आरोपितों ने बताया कि सभी अपने-अपने क्षेत्र में गांजा की तस्कारी करते हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि कार्रवाई करने के बाद चारों को जेल भेज दिया गया है।

मनबढ़ों ने एमआर को पीटकर
किया घायल

शाहपुर के राप्तीनगर में बुधवार की सुबह ज्यूरी पर जा रहे एमआर संतोष तिवारी को मनबढ़ों ने मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित एमआर ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। राप्तीनगर फेज चार के संतोष ने बताया कि उनकी कालोनी में दुर्गा प्रतिमा स्थापित थी।

वाराणसी-पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर जानलेवा हमले के मामले में सुनवाई टली अदालत ने 31 अक्टूबर की तारीख दी



वाराणसी। मामला कैट थाना क्षेत्र के नदेसर क्षेत्र का है जहां पूर्व विधायक व सांसद धनंजय सिंह पर जानलेवा हमला किया गया था। जिसमें कई घायल हो गए थे। मामले में विधायक अभय सिंह एमएलसी विनीत सिंह समेत कई आरोपी हैं। पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर जानलेवा हमले के मामले में एक अधिवक्ता अशोक श्रीवास्तव के निधन के कारण गुरुवार को सुनवाई टल गई है। अब इस मामले में विशेष न्यायाधीश एमपी थमएलसी अक्नीश गौतम की अदालत ३१ अक्टूबर को सुनवाई करेगी। यह मामला कैट थाना क्षेत्र के नदेसर क्षेत्र का है जहां पूर्व विधायक व सांसद धनंजय सिंह पर जानलेवा हमला किया गया था। जिसमें कई घायल हो गए थे। मामले में विधायक अभय सिंह एमएलसी विनीत सिंह समेत कई आरोपी हैं।

सरकारी खजाने को अवैध होर्डिंग लगा रहीं ढाई करोड़ रुपये की सालाना चपत

झांसी। महानगर में जगह-जगह लगीं अवैध होर्डिंग से सरकारी खजाने को मोटी चपत लग रही है। त्योहारी सीजन में ही हजारों की संख्या में अवैध होर्डिंग एवं विज्ञापन बोर्ड लगे हैं लेकिन, नगर निगम को झोली खाली है। नगर निगम को लाइसेंस शुल्क अदा किए बगैर विज्ञापन बोर्ड लगा दिए गए। वहीं, सरकारी खजाने को चपत लगने के बावजूद निगम प्रशासन इनके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। इन दिनों इलाइट चौराहा, बीकेडी चौराहा, चित्रा चौराहा, जीवन शाह तिराहा, खंडेराव गेट, इलाहाबाद बैंक तिराहा, मेडिकल क लेज तिराहा, बस अड्डा, ग्वालियर रोड समेत झांसी-कानपुर हाईवे समेत अन्य स्थानों पर अवैध होर्डिंग एवं विज्ञापन बोर्ड की भरमार है। नियमों के मुताबिक होर्डिंग एवं विज्ञापन बोर्ड के लिए निगम में लाइसेंस शुल्क जमा करना होता है लेकिन, बिना लाइसेंस शुल्क के मनमाने तरीके से इनको सड़क एवं डिवाइडर पर लगा दिया गया। डिवाइडर पर लगे कैटीलीवर के लिए भी इजाजत नहीं ली गई। यह भी बिना लाइसेंस शुल्क चुकाए लगे हैं। नियम-कानून तोड़ने वालों में राजनीतिक दलों के नेता सबसे आगे हैं। राजनीतिक लोगों की होर्डिंग होने से निगम प्रशासन भी इनको हटाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। विभागीय सूत्रों के मुताबिक महानगर में पंद्रह हजार से भी अधिक अवैध विज्ञापन बोर्ड लगाए हैं। इससे सालाना निगम के खजाने को करीब २.५० करोड़ की चपत लग रही। वहीं, अपर नगर आयुक्त रोली गुप्ता का कहना है कि अवैध होर्डिंग के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उनको नोटिस भेजे जाने के साथ ही जुर्माना भी वसूला जाता है।

2024 में राहुल पीएम और अजय राय होंगे सीएम अखिलेश को पीएम बनाने वाले पोस्टर पर करारा जवाब



लखनऊ। यूपी में सपा-कांग्रेस के बीच पोस्टर वार चल पड़ा है। सपा कार्यालय के बाहर अखिलेश यादव को भावी पीएम बताने के पोस्टर के बाद कांग्रेस कार्यालय के बाहर २०२४ में राहुल गांधी को पीएम और अजय राय को सीएम बनाने के पोस्टर लगाए गए हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर सपा व कांग्रेस के बीच तलख टिप्पणियों के बाद अब पोस्टर वार शुरू हो गया है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को देश का भावी पीएम बताने के पोस्टर पार्टी कार्यालय के बाहर लगाने के बाद अब कांग्रेस कार्यालय के बाहर राहुल गांधी को २०२४ में पीएम बनाने और २०२७ के यूपी विधानसभा चुनाव में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को मुख्यमंत्री बनाने के पोस्टर लगाए गए हैं।

यूपी में पोस्टर वार

कांग्रेस कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में किसानों को एमएसपी देने, बुजुर्गों को पेंशन देने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, नौकरियां देने और जातिगत जनगणना कराने जैसे वादे किए गए हैं। पोस्टर में जनता से कांग्रेस के साथ आने की भी अपील की गई है। पोस्टर को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा हो रही है तो लोग सोशल मीडिया पर मजे भी ले रहे हैं। सपा कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन में शामिल है। हालांकि, इस तरह के पोस्टर लगाए जाने के बाद लोग गठबंधन के भविष्य को लेकर भी सवाल उठा रहे हैं। बीते दिनों कांग्रेस-सपा में तलखी बढ़ने को लेकर अखिलेश यादव ने बयान दिया था कि कांग्रेस को पहले स्पष्ट करना चाहिए था कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बन रहा है। हालांकि, बकौल अखिलेश शीर्ष नेतृत्व से बातचीत होने के बाद अखिलेश ने भी सपा कार्यकर्ताओं से कांग्रेस नेताओं पर टिप्पणी न करने की अपील की थी। बहरहाल, इस पोस्टरवार से सियासी चर्चाएं होने लगी हैं। अखिलेश यादव को भावी पीएम बताने पर राजभर ने ली थी चुटकी सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा था कि हर नेता का सपना होता है कि वह सीएम बने तो एक दिन पीएम भी बने। सपना देखना बुरी बात नहीं है लेकिन उसके लिए काम करना होता है। जो इन्होंने नहीं किया। ये लोग हंसी के पात्र बनते जा रहे हैं।

आजमगढ़-घंटों सड़क पर तड़पता रहा वाहन के धक्के से घायल होमगार्ड अस्पताल पहुंचने पर डाक्टरों ने मृत घोषित किया

आजमगढ़। होमगार्ड में तैनात राकेश सिंह की बुधवार की रात निहोरगंज में रात के समय ड्यूटी लगी थी। चार बजे ड्यूटी समाप्त कर वह बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह कलीचाबाद गांव के पास पहुंचे, अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। देवगांव कोतवाली क्षेत्र के चेवार पश्चिम गांव निवासी राकेश सिंह की निहोरगंज में नाइट ड्यूटी लगी हुई थी। वृहस्पतिवार की भोर में वह ड्यूटी समाप्त करके अपने घर जा रहे थे कि कलीचाबाद गांव के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में धक्का मार दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि होमगार्ड में तैनात राकेश सिंह की बुधवार की रात निहोरगंज में रात के समय ड्यूटी लगी थी। चार बजे ड्यूटी समाप्त कर वह बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वह कलीचाबाद गांव के पास पहुंचे, अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में



टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घर पहुंचने में देरी होने पर परिजन उन्हें तलाश करते हुए पहले देवगांव कोतवाली पहुंचे। इसके बाद पुलिस को लेकर वह उन्हें तलाश करते हुए देवगांव मेहनाजपुर रोड पर कलीचाबाद के पास पहुंचे तो वह

मोटरसाइकिल से गिरे पड़े थे। आनन फानन में उन्हें सीएचसी लालगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। उनके चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूपी में सियासत तेज

जेल में बंद आजम ने मिलने से किया इनकार कांग्रेस अध्यक्ष बोले- प्रशासन ने बनाया दबाव

सीतापुर। जिला कारागार में बंद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव आजम खां ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से मिलने से इनकार कर दिया है। अजय राय गुरुवार को उनसे मुलाकात करने सीतापुर पहुंचे। जेल प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें बताया कि सपा नेता आजम उनसे मिलना नहीं चाहते हैं। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने जेल प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जेल प्रशासन सरकार के दबाव में काम कर रहा है। उन्हें मिलने नहीं दिया जा रहा है। न तो आजम खां से फोन पर वार्ता कराई गई और न ही उनसे कुछ ऐसा लिखित दिया गया कि आजम खां मिलना नहीं चाहते हैं। आजम खां के परिवार को प्रताड़ित कर रही भाजपा अजय राय ने कहा कि भाजपा आजम खां, उनकी पत्नी और बेटे को प्रताड़ित कर रही है। यह ज्यादाती ठीक नहीं है। वह आजम खां की लड़ाई जरूर लड़ेंगे। हम सब उनके दुख में शामिल हैं। ऐसा माना जा रहा था कि मुस्लिम वोट बैंक को साधने में कांग्रेस इस मुलाकात से असर डाल सकती है। जेल के सूत्रों से मिली खबर के मुताबिक आजम खां ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया। जैसे ही यह खबर जेल से बाहर आई कांग्रेस पदाधिकारियों में खलबली मच गई। सीतापुर पहुंचने पर अजय राय ने कहा कि भाजपा की सरकार आजम खां व उनके परिवार को प्रताड़ित कर रही है। दुख की इस घड़ी में हम उनके साथ खड़े। जेल प्रशासन के मुताबिक नियमानुसार सप्ताह में सिर्फ एक मुलाकात कराने का नियम है। बुधवार को आजम के बेटे अदीब ने मुलाकात कर ली है। अब अगली मुलाकात अगले सप्ताह ही संभव है। वहीं, जेल के सूत्रों के मुताबिक आजम ने जेल के अधिकारियों से कहा है कि वह किसी भी राजनेता से नहीं मिलना चाहते हैं। वह सिर्फ अपने परिवार के सदस्यों से मिलना चाहते हैं। उन्होंने किसी अन्य नेता से मिलने को लेकर मना कर दिया है। कांग्रेस के पदाधिकारियों में चर्चा रही कि प्रदेश अध्यक्ष अजय राय इस दुःख की घड़ी में आजम खां से मिलने जा रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा देश के जिन नेताओं को प्रताड़ित कर रही है। कांग्रेस उनके लिए आवाज उठा रही है।

सपा जिलाध्यक्ष ने कहा- आजम संग हो रहा आम कैदियों जैसा सुलूक

समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष छत्रपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं है कि आजम खां ने अजय राय से मिलने से इनकार कर दिया। आजम खां के साथ आम कैदी जैसा सुलूक किया जा रहा है। जेल मैनुअल के मुताबिक सप्ताह में सिर्फ एक मुलाकात कराई जा सकती है। वह मुलाकात इस सप्ताह हो गई है। यह भी इनकार की एक वजह हो सकती है।

भाजपा के चुनावी अभियान को धार देंगे पीएम मोदी

भाजपा के चुनावी अभियान को धार देंगे पीएम मोदी
शाह सहित 40 नेता, जारी की स्टार प्रचारकों की लिस्ट

स्टार प्रचारकों की लिस्ट

स्टार प्रचारकों की लिस्ट में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर, अश्विनी वैष्णव, पीयूष गोयल, नरेंद्र सिंह तोमर, भूपेन्द्र यादव, फगुन सिंह कुलस्ते, अर्जुन मुंडा के नाम भी शामिल हैं।



दिल्ली। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गृह मंत्री अमित शाह सहित 40 प्रचारकों के नाम शामिल हैं। एएनआई, भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ

सिंह, गृह मंत्री अमित शाह सहित 40 प्रचारकों के नाम शामिल हैं। अबतक कितनी सीटों पर उम्मीदवारों का हुआ एलान? प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के लिए भाजपा ने 222 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया है, जबकि कांग्रेस ने सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि भाजपा शेष बची हुई सीटों पर जल्द ही प्रत्याशी उतारेगी। सनद

रहे कि मध्य प्रदेश में 99 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा, जबकि तीन दिसंबर को वोटों की गिनती होगी। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने सर्वाधिक सीट हासिल कर सरकार का गठन किया था। हालांकि, 94 माह बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत की वजह से कमलनाथ के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई और भाजपा ने शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में एक बार फिर से सरकार का गठन किया था।

अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह के सरगना सहित चार गिरफ्तार बिहार प्रांत के रहने वाले हैं चारों



संवाद सूत्र,गड़वार (बलिया)। कोतवाली एवं स्वाट टीम सोमवार को अंतरजनपदीय वाहन चोर गिरोह के सरगना सहित चार को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से चोरी की दो स्कार्पियो और एक स्वीफ्ट कार तथा एक तमंचा बरामद किया है। पुलिस की ओर से दो चोरों पर पचीस-पचीस हजार का इनाम भी घोषित था। अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि थाना प्रभारी संजय शुक्ल के नेतृत्व में पुलिस टीम पियरिया मोड़ पर मौजूद थी। इसी समय प्रभारी स्वाट टीम अजय यादव भी पहुंच गए। अचानक किसी ने सूचना दी कि सिंहाचवर चट्टी पर जिंगनी स्टेशन मोड़ के पास एक मारुति स्वीफ्ट काफ़ी देर से खड़ी है। इसमें चार संदिग्ध व्यक्ति आपस में चोरी की गाड़ियों को बेचने के संबंध में बात कर रहे हैं। गड़वार पुलिस व स्वाट मौके पर पहुंच गई और मनोहर कुमार उर्फ मोनू साह निवासी खैरा, समस्तीपुर,बिहार, सुबोध साह उर्फ सुमन उर्फ चपती निवासी धर्मांगतपुर बथुआ,बिहार, अमन कुमार उर्फ लुटू निवासी दिलावलपुर हेमती, बिहार व निखिल मिश्रा निवासी पहेतिया,वैशाली, बिहार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की ओर से दो चोरों पर पचीस-पचीस हजार का इनाम भी घोषित था। अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि थाना प्रभारी संजय शुक्ल के नेतृत्व में पुलिस टीम पियरिया मोड़ पर मौजूद थी। इसी समय प्रभारी स्वाट टीम अजय यादव भी पहुंच गए। अचानक किसी ने सूचना दी कि सिंहाचवर चट्टी पर जिंगनी स्टेशन मोड़ के पास एक मारुति स्वीफ्ट काफ़ी देर से खड़ी है।

मौके से ही एक कार भी बरामद हुए। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपितों की निशानदेही पर कोका कोला कंपनी के खंडहर सिंहाचवर के पास से चोरी की अन्य दो स्कार्पियो को भी बरामद किया गया। आरोपितों ने पुलिस को बताया कि स्वीफ्ट कार को बिहार जबकि दो स्कार्पियों को सुखपुरा क्षेत्र से चुराई है। पुलिस वाहन मालिकों की तलाश में जुटी हुई है। एएसपी ने बताया कि मनोहर कुमार और सुबोध साह पर इनाम भी घोषित किया गया है। पुलिस दोनों आरोपितों की तलाश भी कर रही थी।

गीता प्रेस के ट्रस्टी बैजनाथ

अग्रवाल का निधन
मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक



गोरखपुर। मुख्यमंत्री ने कहा है कि विगत 80 वर्षों से गीता प्रेस के ट्रस्टी के रूप में बैजनाथ का जीवन सामाजिक जागरूकता और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। वह ईश्वर के अनन्य भक्त थे। बैजनाथ के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। गीता प्रेस के ट्रस्टी बैद्यनाथ अग्रवाल का निधन हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गीता प्रेस, ट्रस्टी बैजनाथ अग्रवाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने उनके पुत्र देवी दयाल अग्रवाल से बात कर सांत्वना दी। शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि श्विगत 80 वर्षों से गीता प्रेस के ट्रस्टी के रूप में बैजनाथ का जीवन सामाजिक जागरूकता और मानव कल्याण के लिए समर्पित रहा। वह ईश्वर के अनन्य भक्त थे। बैजनाथ के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। सीएम ने परिजनों से बातकर उन्हें ढाढस बंधाया है। बता दें कि बैद्य नाथ अग्रवाल समाजसेवी भी रहे हैं। गीता प्रेस के माध्यम से उनका धार्मिक एवं सामाजिक जुड़ाव भी रहा है।

गोरखपुर बाल संप्रेक्षण गृह में मोबाइल फोन चलाते मिले अपचारी निरीक्षण में पहुंचे अधिकारियों के उड़ें होश



गोरखपुर में बाल संरक्षण गृह के निगरानी की पोल उस समय उजागर हुई जब जिला जज के निरीक्षण में 25 मोबाइल फोन बरामद हुए। सूर्यकुंड स्थित संप्रेक्षण गृह में 192 अपचारी रखे गए हैं। यहां निरीक्षण को पहुंचे अधिकारियों ने एक-एक कमरे की तलाशी शुरू कराई तो आलमारी बिस्तर व बिजली बोर्ड के पास छिपाकर रखे गए 25 मोबाइल फोन बरामद हुए।

कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

यह है पूरा मामला

दोपहर लगभग तीन बजे जिला जज तेज प्रताप तिवारी, सीजेएम त्वीशी श्रीवास्तव, एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई व एडीएम सिटी विनीत सिंह के साथ सूर्यकुंड स्थित बाल संप्रेक्षण गृह पहुंचे। बाल संप्रेक्षण गृह में 962 अपचारी रखे गए हैं। निरीक्षण के दौरान ही एक-एक कमरे की तलाशी शुरू कराई तो आलमारी, बिस्तर व बिजली बोर्ड के पास छिपाकर रखे गए 25 मोबाइल फोन बरामद हुए।

महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर 6 करोड़ श्रद्धालुओं करेंगे निर्विघ्न स्नान

2025 प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर 29 जनवरी 2025 को लगभग छह करोड़ श्रद्धालुओं के निर्विघ्न स्नान को लेकर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। विश्व के इतिहास में पहली बार किसी शहर में एक दिन के लिए लोगों की इतनी बड़ी संख्या आ रही है।



प्रयागराज। महाकुंभ 2025 को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार ने कमर कस ली है। महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर 26 जनवरी 2025 को लगभग छह करोड़ श्रद्धालुओं के निर्विघ्न स्नान को लेकर विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं। विश्व के इतिहास में पहली बार किसी शहर में एक दिन के लिए लोगों की इतनी

बड़ी संख्या आ रही है। इसकी तैयारियों को परखने शुक्रवार को मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र पहुंचे। उन्होंने सर्किट हाउस में महाकुंभ की करीब 95 हजार करोड़ रुपये की 250 परियोजनाओं की प्रगति तो जानी ही, साथ ही शाही स्नान पर्व पर होने वाली व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वह

विशेष रूप से आवागमन से लेकर सुरक्षा पर बनाई गई प्लानिंग से अवगत हुए। कुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि मौनी अमावस्या शाही स्नान पर्व पर लगभग छह करोड़ लोगों के आने की उम्मीद तहत की सारी तैयारी की जा रही है। इस प्रमुख स्नान पर्व पर देश के 29 राज्यों से चार दिन तक 2025 स्पेशल ट्रेनें तथा नौ राज्यों से 90000 कुंभ मेला स्पेशल बसें चलाई जाएंगी। इसके साथ ही प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट, कानपुर, लखनऊ व वाराणसी एयरपोर्ट पर भी श्रद्धालुओं के लिए इंतजाम हो रहे हैं। शहर में इस स्नान पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं के छह लाख वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है।

यूपी में 50 की आयु पूरी कर चुके पुलिसकर्मियों की होगी स्क्रीनिंग

यूपी में 50 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पुलिसकर्मियों की स्क्रीनिंग कर उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस विभाग ने नाकारा अधिकारियों व कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी कर ली है। डीजीपी ने इसके लिए निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने 50 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पुलिसकर्मियों की स्क्रीनिंग कर उन्हें अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस विभाग ने नाकारा अधिकारियों व कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी कर ली है। डीजीपी मुख्यालय ने सभी शाखाओं से 30 मार्च 2023 को 50 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पुलिसकर्मियों के सेवा अभिलेखों की

जांच कर उनके बारे में 30 नवंबर तक रिपोर्ट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इससे पहले भी स्क्रीनिंग के उपरांत लापरवाह व अकर्मण्य पुलिसकर्मियों को अनिवार्य सेवानिवृत्त देकर सेवा से बाहर किया जा चुका है। अब जल्द फिर नकारा पुलिसकर्मियों की विरुद्ध कार्रवाई की तैयारी है। एडीजी स्थापना संजय सिंघल की तरफ से सभी

आइजी रेंज/एडीजी जोन/सभी सात पुलिस कमिश्नर के साथ पुलिस के सभी विभाग को आदेश भेजा गया है कि 30 नवंबर तक सभी अफसर 50 वर्ष से अधिक उम्र के पुलिसकर्मियों के ट्रैक रिकार्ड को देखने के बाद अनिवार्य सेवानिवृत्ति के पात्र पुलिसकर्मियों की लिस्ट मुख्यालय भेजेंगे। पीएसी में ऐसे पुलिसकर्मियों की लिस्ट 20 नवंबर तक भेजने के आदेश दिए गए।

चिंताजनक समय के बाद अच्छा संकेत, भारत की तरफ से वीजा सेवा बहाल करने पर कनाडा की प्रतिक्रिया

दिल्ली। कनाडा के आब्रजन मंत्री मार्क मिलर ने कहा, “हमें लगता है कि सेवाओं को निलंबित किया ही नहीं जाना चाहिए था।” उन्होंने कहा कि “भारत के साथ वास्तव में चिंताजनक राजनयिक स्थिति ने कई समुदायों में काफी भय पैदा कर दिया है।” खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत-कनाडा के बीच तनाव जारी है। हालांकि, बीते महीने कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं पर पाबंदी लगाने के बाद बुधवार को भारत ने इसे दोबारा शुरू करने का एलान किया है। इसे लेकर कनाडा ने भी भारत का स्वागत किया है। कनाडा के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि कनाडाई नागरिकों के लिए चिंताजनक समय के बाद एक अच्छा संकेत आया है।

कनाडा के आब्रजन मंत्री मार्क मिलर ने कहा, “हमें लगता है कि सेवाओं को निलंबित किया ही नहीं जाना चाहिए था।” उन्होंने कहा कि “भारत के साथ वास्तव में चिंताजनक राजनयिक स्थिति ने कई समुदायों में काफी भय पैदा कर दिया है।” वहीं, आपात प्रबंधन मंत्री और सिख नेता हरजीत सज्जन ने कहा कि वीजा प्रक्रिया फिर से शुरू होना अच्छी खबर है, लेकिन



वह इस पर अटकलें नहीं लगाएंगे कि नई दिल्ली क्या संदेश देने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, “यह जानकारी अच्छा लगा कि उन्होंने इसे (सेवाएं) बहाल कर दिया है। यदि उन्होंने यह कदम उठाया ही नहीं होता, तो बेहतर होता।” सज्जन ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि शायदियों और अंत्येष्टि जैसे कार्यक्रमों के लिए भारतीय और कनाडाई आ-जा सकें। उन्होंने कहा कि पुलिस हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले की जांच कर रही है और ओटावा इस मामले में अब भी भारत की मदद चाहता है। देश के राजनयिक और वाणिज्यदूतावास संबंधी मामलों का प्रबंधन करने वाले ‘ग्लोबल अफेयर्स कनाडा’

(जीएसी) की प्रवक्ता मैरीलिन ग्वेरेमोंट ने ‘सीबीसी न्यूज’ से कहा कि जीएसी कनाडाई लोगों के लिए कुछ वीजा सेवाएं फिर शुरू करने के भारत के फैसले से अवगत है। उन्होंने कहा, “कनाडा और भारत के लोगों के बीच महत्वपूर्ण आपसी संबंध हैं और भारत द्वारा वीजा सेवाएं बहाल करने से परिवारों एवं कारोबारों के लिए दोनों देशों की यात्रा करना आसान हो जाएगा। कनाडा-भारत व्यापार परिषद ने एक बयान में कहा कि यह व्यापार संबंधों के लिए एक आशाजनक कदम है।” परिषद के प्रमुख विक्टर थ मस ने कहा, “यह भी एक सकारात्मक संकेत है कि दोनों सरकारों ने इस असामान्य समय में द्विपक्षीय व्यापार

और निवेश के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। कनाडा में भारत के उच्चायोग ने बुधवार को कहा था कि वह से कनाडा और अन्य देशों से आवेदन कर रहे कनाडाई नागरिकों के लिए कुछ श्रेणी की वीजा सेवाएं फिर शुरू करेगा। यह कदम सिख अलगाववादी निज्जर की हत्या को लेकर पैदा हुए राजनयिक विवाद के बीच कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं निलंबित किए जाने के एक महीने से अधिक समय बाद उठाया जा रहा है।” ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट की गई एक प्रेस विज्ञापित में कहा, “इस संबंध में कनाडा के कुछ हालिया कदमों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद निर्णय लिया गया है कि २६ अक्टूबर से प्रवेश वीजा, बिजनेस वीजा, मेडिकल वीजा, और क न्रेंस वीजा श्रेणियों के लिए वीजा सेवाओं को फिर शुरू किया जाएगा।”

भारत ने किया था वीजा सेवाओं को दोबारा शुरू करने का एलान

भारत ने कनाडा में कुछ श्रेणियों के लिए वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने जा रहा है। यह आदेश आज (२६ अक्टूबर २०२३) से प्रभावी होगा। जिन श्रेणियों के लिए सेवाएं

बहाल की गई हैं, उनमें प्रवेश वीजा, बिजनेस वीजा, मेडिकल वीजा और क न्रेंस वीजा शामिल हैं। भारतीय उच्चायोग की ओर से यह जानकारी दी गई है।

निज्जर की हत्या के बाद से रिश्तों में तनाव

इससे पहले खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव पैदा हो गया था। रिश्ते अब भी नाजुक मोड़ पर हैं। पहले कनाडा की तरफ से भारत जाने वाले यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की गई। इसके बाद भारत ने खालिस्तान समर्थकों के खतरे के मद्देनजर भारतीय नागरिकों के लिए भी एडवाइजरी जारी की थी। इस बीच २१ सितंबर को कनाडा में भारत के लिए वीजा सेवाएं मुहैया कराने वाली एजेंसी ने परिचालन कारणों से कुछ समय के लिए इस सुविधा को निलंबित कर दिया। बीएलएस इंटरनेशनल की ओर से जारी आदेश में कहा गया था कि अ परेशन कारणों से तत्काल प्रभाव से यानी २१ सितंबर २०२३ से कनाडा में भारतीय वीजा सेवाओं को अगली सूचना तक निलंबित कर दिया गया है।

एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने पर दें ध्यान

इस्राइल-हमास संघर्ष के बीच कमांडरों से बोले रक्षा मंत्री



नई दिल्ली। देश में पहली बार आयोजित दो दिवसीय वायुसेना कमांडर्स कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि अधिकारियों को भारत के हवाई रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने और ड्रोन्स के इस्तेमाल पर केंद्रित होना चाहिए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय वायुसेना के कमांडरों से बात की। इस दौरान उन्होंने वायुसेना से तेजी से बदलती भू-राजनीतिक स्थिति को देखते हुए एयर डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने पर जोर दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि इन बदलती स्थितियों के बीच सेनाओं को अपनी परिचालन से जुड़ी तैयारियां भी मजबूत रखनी होंगी। देश में पहली बार आयोजित दो दिवसीय वायुसेना कमांडर्स कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि अधिकारियों को भारत के हवाई रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने और ड्रोन्स के इस्तेमाल पर केंद्रित होना चाहिए। बताया गया है कि कमांडरों के बीच हमास-इस्राइल संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध में उपजी स्थितियों पर भी चर्चा हुई। राजनाथ ने इस क न्रेंस में कहा, मौजूदा वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में कई नई चुनौतियां उभर रही हैं। हमें हमेशा इनसे निपटने के लिए तैयार रहना होगा। इस बैठक में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी की तरफ से भारत के पाकिस्तान और चीन से लगते बार्डर पर हवाई सुरक्षा के मुद्दे का भी विश्लेषण किया गया। अपने संबोधन में राजनाथ ने सेना के तीनों अंगों के बीच किसी आपरेशन के दौरान बेहतर समन्वय के अलावा साझा योजना बनाने पर जोर दिया। उन्होंने वायुसेना के कमांडरों से तेजी से बदलती भू-राजनीतिक स्थितियों को परखने को कहा और उन्हें भारतीय परिवेश के अनुसार विश्लेषण करने लागू करने की बात कही।

सिक्किम-हिमाचल में राहत-बचाव कार्य में भूमिका के लिए की तारीफ

रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, राजनाथ सिंह ने हाल ही में हिमाचल प्रदेश और सिक्किम में बाढ़ की वजह से पैदा हुई आपदा की स्थिति में राहत-बचाव कार्य के लिए वायुसेना की तरफ से उठाए गए कदमों की तारीफ की। उन्होंने यूपी के प्रयागराज में एयरफोर्स डे परेड के सफल आयोजन पर भी वायुसेना को बधाई दी। बताया गया है कि इस बैठक में चीफ अ फ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान भी मौजूद रहे।

कांग्रेसियों को हो रहा गलती का एहसास

क्या शीला दीक्षित का ये कमांडर करा पाएगा पार्टी की वापसी

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया इंचार्ज जितेंद्र कोचर ने कहा कि चुनाव के समय नेताओं-कार्यकर्ताओं का किसी एक पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में जाना सामान्य बात है। लेकिन यहां खास बात है कि चुनाव करीब न होने के बाद भी उनके पुराने नेता-कार्यकर्ता वापस आ रहे हैं... कांग्रेस के पूर्व नेताओं-कार्यकर्ताओं को अब अपनी गलती का एहसास हो रहा है। उन्हें लग रहा है कि यदि दिल्ली का विकास करना है, तो उन्हें उसी पार्टी का साथ देना चाहिए जिसके साथ वे वर्षों से जुड़े रहे थे। इस अनुभव के साथ पार्टी के वे पुराने नेता-कार्यकर्ता पार्टी में वापस आ रहे हैं, जिन्होंने दिल्ली में कांग्रेस के कमजोर होने के बाद भाजपा या आम आदमी पार्टी का दामन थाम लिया था। पार्टी के पुराने नेताओं-कार्यकर्ताओं की कांग्रेस में वापसी उस अरविंदर सिंह लवली के कारण हो रही है, जो कभी शीला दीक्षित का बेहद खास हुआ करते थे। बुधवार को भी उन्होंने नई दिल्ली और दिल्ली कैंट इलाके के सैकड़ों पुराने कार्यकर्ताओं की पार्टी में वापसी कराई। इसमें कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके संदीप सिंह भी शामिल हैं, तो भाजपा की जिला इकाई की पदाधिकारी भी।

हर क्षेत्र, हर वर्ग के लोग

यह काम केवल पूर्वी दिल्ली या दिल्ली कैंट इलाके में ही नहीं हो रहा है। दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से नेताओं-कार्यकर्ताओं को वापस लाने की कोशिश हो रही है। इसमें पंजाबी, बनिया, दलित और मुस्लिम नेता-कार्यकर्ता सभी शामिल हैं। ये वर्ग कांग्रेस के परंपरागत वोटर हुआ करते थे। आम आदमी पार्टी के मजबूत होने के बाद ये वोटर उसकी ओर चले गए, जिससे कांग्रेस कमजोर होती चली गई। लेकिन अरविंदर सिंह लवली पार्टी नेताओं के बीच एक नई उम्मीद बनकर उभरे हैं और उनके कारण पार्टी को मजबूती मिलती दिख रही है।

चुनाव नहीं, लेकिन इसके बाद भी वापसी

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया इंचार्ज जितेंद्र कोचर ने अमर उजाला से कहा कि चुनाव के समय नेताओं-कार्यकर्ताओं का किसी एक पार्टी को छोड़कर दूसरी पार्टी में जाना सामान्य बात है। लेकिन यहां खास बात है कि चुनाव करीब न होने के बाद भी उनके पुराने नेता-कार्यकर्ता वापस आ रहे हैं। चूंकि, कांग्रेस इस समय दिल्ली में सत्ता में नहीं है, इन लौट रहे कार्यकर्ताओं को यहां कुछ मिलने की उम्मीद भी नहीं है। उनके लिए संघर्ष की एक जमीन खुली है, जिसके एक तरफ दिल्ली की सत्ताधारी पार्टी आप और दूसरी तरफ केंद्र की सत्ताधारी पार्टी भाजपा है। इसके बाद भी पार्टी में लोगों की वापसी हो रही है, तो पार्टी के लिए यह शुभ संकेत है। कांग्रेस के नेताओं को उम्मीद है कि शीला दीक्षित का यह पूर्व कमांडर दिल्ली में पार्टी की वापसी कराने में सफल रहेगा। दिल्ली कांग्रेस के जिस



कार्यालय में मुश्किल से कोई दिखाई देता था, यदि उसके सामने वाहनों का भारी काफिला दिखाई देता है तो उसके पीछे लोगों की यह उम्मीद ही है।

इस कारण भी कांग्रेस को मिल रहा बल

अरविंदर सिंह लवली इसके पहले भी प्रदेश की कमान संभाल चुके हैं। अपने पिछले कार्यकाल में वे पार्टी के लिए कोई बड़ी सफलता हासिल नहीं कर सके थे। इसके बाद भी यदि लोगों में उन्हें लेकर इतनी उम्मीद है तो इसके कुछ कारण समझे जा सकते हैं। दरअसल, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने उनमें उत्साह भर दिया है। उन्हें लगता है कि जिस तरह पूरे देश में कांग्रेस वापस करती दिखाई पड़ रही है, आने वाले समय में दिल्ली में भी पार्टी की वापसी हो सकती है। इस समय हो रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को कई राज्यों में अपनी वापसी होने की उम्मीद है। यदि पार्टी के लिए नतीजे सकारात्मक रहे तो दिल्ली की राजनीति पर भी इसका असर पड़ सकता है। दूसरा बड़ा कारण है कि पूरे देश में कांग्रेस का परंपरागत मुसलमान मतदाता उसके पास वापस आ रहा है। दिल्ली में तो वह नगर निगम चुनाव के समय भी कांग्रेस के साथ मजबूती से खड़ा दिखाई पड़ा। ऐसे में कांग्रेस को लगता है कि दिल्ली में भी लोकसभा चुनाव में मुसलमान मतदाता उसके साथ आएगा। पिछले लोकसभा चुनाव में भी मुसलमान मतदाता कांग्रेस के साथ खड़ा रहा था, जिसके कारण कांग्रेस ने हर सीट पर मजबूत लड़ाई लड़ी और हर सीट पर दूसरे नंबर पर आई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कारण दलित और अन्य पिछड़े समुदाय के मतदाता पार्टी से जुड़ रहे हैं। यह ट्रेंड कर्नाटक से शुरू होने के बाद दूसरे राज्यों में भी दिखाई पड़ रहा है। इस समय दिल्ली में कांग्रेस में वापसी करने वाले नेताओं-कार्यकर्ताओं में भी यह वर्ग सबसे ज्यादा है। खरगे भी इसका एक कारण हो सकते हैं। पार्टी को लगता है कि वह अपने पुराने परंपरागत वोट बैंक को साथ लाकर दिल्ली की राजनीति में मजबूत वापसी करने में सफल हो सकती है।

अंकिता लोखंडे संग हुई अनबन
तो मनारा चोपड़ा बोलीं—
**आपसे ज्यादा
फिल्में की हैं मैंने**

मनारा की नाराजगी देखकर अंकिता उन्हें समझाने की कोशिश करती हैं कि उनकी बातों का गलत मतलब न निकाले, क्योंकि उनका इरादा गलत नहीं था। हालांकि, मनारा का गुस्सा कम नहीं होता। अंत में अंकिता अपने पिता की कमस भी खाती हैं कि उन्होंने कोई ताना नहीं मारा है। मनारा को बाद में रिकू धवन भी समझाने की कोशिश करती हैं कि अंकिता शायद सही कह रही है, क्योंकि वो अपने पिता की झूठी कमस नहीं खाएंगी।

करण ने आगे कहा, आपके पास अपने दिन की बातें साझा करने के लिए अपना कोई साथी नहीं है। और हर दिन, मैं उठता हूँ और मेरा एक छोटा सा हिस्सा उस खालीपन को महसूस करता है। उन्होंने आगे कहा, मेरे पास मेरे बच्चे और माँ हैं, लेकिन जब मैं इसे देखता हूँ और मैं आपको देखता हूँ, और मैं जानता हूँ कि रिश्ते कठिन हैं, लेकिन एक व्यक्ति के साथ आत्मा का संबंध जिसके साथ आप जाग सकते हैं, उनका हाथ पकड़ सकते हैं, और कठिन समय में अपना दिन देख सकते हैं।

दीपवीर की ड्रीमी वेडिंग का यह वीडियो करण जौहर भी पहली बार देख रहे थे। दोनों का शादी का वीडियो बेहद प्यार भरा और भावुक कर देने वाला था, जिसे देखकर करण भी भावुक हो गए। हे भगवान! मेरी फिल्म में एक लाइन है कि मेरा दिल भर आया है। दीपिका-रणवीर के लिए करण बेहद खुश नजर आए, वहीं खुद को अकेला महसूस करने से भी नहीं रोक सके। उन्होंने कहा, मैं किसी रिश्ते में नहीं हूँ और मैं एक तरह से सिंगल हूँ। यह मुझे ऐसा महसूस कराता है कि इसमें शामिल न होने के कारण मैं क्या खो रहा हूँ।

टीम इंडिया की सफलता का मंत्र

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप में भारतीय टीम का अब तक का सफर शानदार रहा है और उसने अपने सभी पांचों मैच जीत हैं। टीम की जीत में हर खिलाड़ी अपने स्तर पर योगदान दे रहा है। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम इस टूर्नामेंट में एकजुट दिख रही है और सभी एक दूसरे की सफलता का जश्न मनाते दिखे हैं। भारतीय टीम के प्रदर्शन के पीछे यह भी एक बड़ा कारण है क्योंकि ट्रेसिंग रूम के सकारात्मक माहौल का खिलाड़ियों को प्रभावित करता है। यह विश्व कप की अंक तालिका में नजर भी आ रहा है और टीम शीर्ष पर मौजूद है। भारतीय टीम के खिलाड़ी वर्ष में अधिकतर समय साथ ही रहते हैं क्योंकि टीम विभिन्न दौरे पर या टूर्नामेंट में खेलने जाती है।

एकजुटता ने खींचा ध्यान

भारत का कार्यक्रम वैसे भी काफी व्यस्त रहता है और ये खिलाड़ी अपने परिवार से ज्यादा एक दूसरे के साथ समय बिताते हैं। 95 सदस्यीय टीम में वो खिलाड़ी शामिल होते हैं जो अपने कौशल के दम पर टीम में स्थान सुनिश्चित करते हैं, लेकिन मौजूदा विश्व कप में टीम के सदस्य जिस तरह एक दूसरे का साथ देते दिख रहे हैं उसने सभी का ध्यान खींचा है। टीम संयोजन को देखते हुए कई बार कुछ खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन करने के बाद भी एकादश में अवसर नहीं मिल पाता,



इसके बावजूद खिलाड़ी एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे। सफेद गेंद के खेल में मोहम्मद सिराज बेहतर गेंदबाज के तौर पर उभरे हैं जिस कारण वह जसप्रीत वुमराह के बाद दूसरे प्राथमिक तेज गेंदबाज के रूप में देखे जाने लगे हैं और मोहम्मद शमी इस दौड़ में पीछे हो गए हैं।

शमी बेहतर प्रदर्शन के बावजूद बेफिक्र

इसके बावजूद ये खिलाड़ी एक दूसरे की सफलता का जश्न मना रहे हैं। शमी इस बात से पूरी तरह परिचित हैं कि मौजूदा विश्व कप के अपने पहले ही मैच में पांच विकेट लेने के बावजूद उन्हें अगले मैच में बाहर बैठना पड़ सकता है, लेकिन वह इस बात से बेफिक्र हैं। शमी

न्यूजीलैंड के विरुद्ध मैच से पहले बाहर बैठे थे जो उनके लिए दर्दभरा रहा होगा, लेकिन भारत को नतीजे मिल रहे थे। टीम ने एशिया कप जीता, घरेलू मैदान पर आस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज जीती और अब विश्व कप में अजेय चल रही है। मोहम्मद शमी ने हाल ही में कहा था, शजहां तक एकजुटता की बात है तो गेंदबाजी इकाई के तौर पर अन्य गेंदबाजों का साथ देना हमेशा महत्वपूर्ण होता है। यदि आप दूसरे की सफलता का आनंद लेंगे तो आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे।

कोहली का शतक भी इस बात का प्रमाण

इन सभी का लक्ष्य चार वर्ष में एक बार होने वाले वनडे विश्व कप जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट के लिए सकारात्मक रहना है। ऐसा ही कुछ बल्लेबाजी में भी देखने को मिला जब केएल राहुल आस्ट्रेलिया के विरुद्ध शतक से चूक गए थे, लेकिन उन्होंने बांग्लादेश के विरुद्ध यह सुनिश्चित किया कि कोहली अपना शतक पूरा करें। इसके बाद न्यूजीलैंड के विरुद्ध रवींद्र जडेजा ने भी कोहली को स्ट्राइक दी जिससे वह एक और शतक जड़ सकें। हालांकि, उस मैच में विराट कोहली पांच रन से ऐसा करने से चूक गए थे। यह सभी चीजें दिखा रही हैं कि भारतीय खिलाड़ी हर स्थिति में एक दूसरे के साथ खड़े हैं और यही बात उन्हें अजेय, निडर तथा विश्व कप जीतने के लिए एक प्रबल दावेदार बनाती है।

भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए आस्ट्रेलियाई टीम घोषित, वेड करेंगे कप्तानी

स्पोर्ट्स डेस्क। अगले साल टी20 विश्व कप होना है और ऐसे में वेड को स्थाई रूप से कप्तानी सौंपी जा सकती है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज विश्व कप 2023 के खत्म होने के बाद नवंबर-दिसंबर में खेला जाएगी। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए अस्ट्रेलियाई टीम का एलान हो गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड को टीम की कप्तान सौंपी गई है। एन न फिंच के संन्यास लेने के बाद से वेड टी20 फॉर्मेट में अस्ट्रेलिया के दूसरे कप्तान हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर मिचेल मार्श को कप्तानी सौंपी गई थी। हालांकि, अब वेड को भी आजमाया जा रहा है। अगले साल टी20 विश्व कप होना है और ऐसे में वेड को अस्थायी रूप से कप्तानी सौंपी गई है। भारत और अस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज विश्व कप 2023 के खत्म होने के बाद नवंबर-दिसंबर में खेला जाएगी। इसकी शुरुआत 23 नवंबर को होगी।

लीडरशिप ग्रुप को बढ़ाने की तैयारी

क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि वेड को अंतरिम आधार पर कप्तान बनाया गया है। वेड पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। फिंच इस साल फरवरी में रिटायर हुए थे और आस्ट्रेलिया स्थाई कप्तान नियुक्त करने को लेकर किसी हड़बड़ी में नहीं दिख रहा है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा कि वेड पहले भी टीम



की कप्तान संभाल चुके हैं और इस सीरीज में हम उनसे उम्मीद कर रहे हैं। इससे पहले मार्श कप्तानी कर चुके हैं और अब वेड के जरिये हमारे पास लीडरशिप ग्रुप बढ़ाने का मौका है।

कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड को आराम

इस टी20 टीम में पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश

हेजलवुड को मौका नहीं दिया गया है। वहीं, मिचेल मार्श और कैमरन ग्रीन भी वनडे विश्व कप के बाद घर लौट जाएंगे। डेविड वार्नर, स्टीव स्मिथ और ट्रेविस हेड विश्व कप के बाद इस टी20 सीरीज के लिए रुकेंगे। वार्नर के टीम में शामिल होने से यह तय है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से हाल फिलहाल में संन्यास लेने नहीं जा रहे हैं।

साथ ही अगले साल कैरिबियाई धरती पर टी20 विश्व कप में अस्ट्रेलियाई टीम की सबसे बड़ी उम्मीद होंगे। हेड और स्मिथ में से कोई एक उनके साथ पारी की शुरुआत कर सकता है।

23 नवंबर को खेला जाएगा पहला टी20

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज की शुरुआत 23 नवंबर को होगी, जबकि वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल 9 दिसंबर को खेला जाएगा। पहला मैच विशाखापटनम में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 26 नवंबर को तिरुवनंतपुरम, तीसरा मैच 2 दिसंबर को गुवाहाटी, चौथा मैच एक दिसंबर को नागपुर और पांचवां मैच तीन दिसंबर को हैदराबाद में खेला जाएगा। इसके बाद अस्ट्रेलियाई टीम को 9 दिसंबर से अपने घर में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है।

ऐसा है आस्ट्रेलिया का टी20 शेड्यूल

आस्ट्रेलियाई टीम ने पिछले साल टी20 विश्व कप के दौरान ग्रुप स्टेज से बाहर होने के बाद से सिर्फ तीन टी20 मुकाबले खेले हैं। अगले साल जून में टी20 विश्व कप से पहले उसे 99 और टी20 खेलने हैं। भारत के खिलाफ पांच टी20 के अलावा उसे वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने घर में तीन और न्यूजीलैंड के खिलाफ उसके घर में तीन टी20 मुकाबले खेलने हैं। इसके बाद आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मार्च में आईपीएल खेलने आएंगे।

दी नैक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बकसीपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665
बी गंगा टोला, निकट
जानकी बिल्डिंग मेटेरियल
बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर
से प्रकाशित। पिन:- 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148, 9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद
गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

कब तक फिट होंगे पाण्डेया

नई दिल्ली। भारतीय आलराउंडर हार्दिक पांड्या सेमीफाइनल से पहले ही फिट हो जाएंगे। भारत को रविवार को लखनऊ में इंग्लैंड से, उसके बाद मुंबई में श्रीलंका और कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ना है। इसके बाद भारत का मुकाबला 9 नवंबर को बेंगलुरु में नीदरलैंड्स से होगा। भारतीय टीम का सेमीफाइनल में खेलना लगभग तय है। पुणे में 9 अक्टूबर को बांग्लादेश के विरुद्ध अपनी ही गेंद पर क्षेत्ररक्षण करते हुए पांड्या को टखने में चोट लगी थी और वह 22 अक्टूबर को धर्मशाला में न्यूजीलैंड के विरुद्ध नहीं खेल पाए थे। बड़ौदा का यह खिलाड़ी चोट से उबरने के लिए सोमवार को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) चला गया था।

हार्दिक को समय की जरूरत

एनसीए के एक सूत्र ने बताया, हार्दिक का उपचार चल रहा है। उनके बाएं टखने की सूजन काफी कम हुई है, लेकिन वह सप्ताहांत ही गेंदबाजी की शुरुआत करेंगे। इस समय उन्हें उबरने का समय देना महत्वपूर्ण है, लेकिन वह अब तक अपने पांचों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए काफी मजबूत स्थिति में है। भारत अब तक अपने पांचों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए काफी मजबूत स्थिति में है। इसलिए पांड्या को अगले दो मैच के लिए आराम दिया जा सकता है जिससे उन्हें सेमीफाइनल से पहले पूरी तरह से उबरने का मौका मिलेगा।

भारतीय आलराउंडर हार्दिक पांड्या सेमीफाइनल से पहले ही फिट हो जाएंगे। भारत को रविवार को लखनऊ में इंग्लैंड से उसके बाद मुंबई में श्रीलंका और कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ना है। इसके बाद भारत का मुकाबला 12 नवंबर को बेंगलुरु में नीदरलैंड्स से होगा। बड़ौदा का यह खिलाड़ी चोट से उबरने के लिए सोमवार को एनसीए चला गया था।